महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,

स्नातकोत्तर एवं शोध पाठ्यक्रम

परिकल्पना एवं पाठ्यक्रम लक्ष्य

हिन्दी भाषा, साहित्य और विमर्श के क्षेत्र में पारंपरिक और नए क्षितिजों का अन्वेषण, परिशीलन एवं प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उद्देश्य है। प्राथमिक कक्षाओं से उच्च कक्षाओं तक राज्य, राष्ट्र एवं अंतर राष्ट्रीय स्तर तक हिन्दी अध्ययन–अध्यापन हेतु प्रशिक्षित युवाओं/युवतियों के रोजगारपरक लक्ष्यों को समर्पित पाठ्यक्रम की बहुविध संभावनाएँ हैं। इसी तरह जनसंचार के विविध क्षेत्रों जैसे–प्रिन्ट मीडिया, दृश्य मीडिया, धारावाहिक एवं पटकथा लेखन के विविध क्षेत्रों में रोजगार की आवश्यकताओं की दृष्टि से भी यह पाठ्यक्रम उपयोगी होगा। उद्देश्यों को निम्न बिन्दुओं द्वारा सरलतापूर्वक समझा जा सकता है :

1. हिन्दी साहित्य के माध्यम से गौरवशाली परंपरा, संस्कृति और इतिहास का अध्ययन।
2. हिन्दी भाषा और साहित्य के सौन्दर्यपरक और विचारपकर क्षितिजों की समझ का अध्ययन।
3. विस्तृत होती लोक आस्थाओं, सांस्कृतिक स्मृतियों का अध्ययन।
4. हिन्दी अध्यापन के विविध क्षेत्रों हेतु दक्ष और पेशेवर युवक–युवतियों का प्रशिक्षण।
5. प्रिन्ट और विजुअल मीडिया की रोजगारपरक आवश्यकताओं के लिए प्रशिक्षण।
6. रचनात्मक एवं स्वाधीन लेखन संसार एवं पटकथा तथा विज्ञापन लेखन हेतु दक्ष युवाओं–युवतियों का प्रशिक्षण।

- स्नातकोत्तर कार्यक्रम के पहले वर्ष में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थी स्नातक उपाधि होने चाहिए।
- उच्च शिक्षा का यह चतुर्थ वर्ष कहलाएगा।
- स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष में न्यूनतम 52 क्रेडिट अर्जित करने पर छात्र/छात्राओं को उत्तीर्ण किया जायेगा।
- स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय दोनों वर्षों में न्यूनतम 52 एवं 48 क्रेडिट अर्जित करने वाले उत्तीर्ण विद्यार्थी को मुख्य विषय (मेजर) में स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जायेगी।
- स्नातकोत्तर में एक ही मुख्य विषय (मेजर) होगा।
- स्नातकोत्तर कार्यक्रम सी0बी0सी0एस0 एवं सेमेस्टर प्रणाली में संचालित होगा।
- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर में विभक्त है।
- मुख्य विषय (हिन्दी) के प्रत्येक सेमेस्टर में कुल पाँच प्रश्न पत्र निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न–पत्र चार क्रेडिट का होगा।
- चार प्रश्न पत्र थ्योरी आधारित तथा एक प्रश्न–पत्र प्रायोगिक होगा।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम में शोध परियोजना

- उच्च शिक्षा के चतुर्थ एवं पंचम वर्ष (स्नातकोत्तर के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष) से विद्यार्थी को बृहद शोध परियोजना करनी होगी।
- यह शोध परियोजना (**Interdisciplinary**)
- शोध संबंधी निर्देश पाठ्यक्रम संरचनाएं निर्दिष्ट है।
- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष (सप्तम एवं अष्टम सेमेस्टर) में छात्र एवं छात्राओं को किसी एक सेमेस्टर में मुख्य विषय (हिन्दी) से इतर अन्य विषय से संबंधित माइनर प्रश्न पत्र आहारित करना होगा।
- सप्तम सेमेस्टर हेतु माइनर विषय प्रश्न पत्र हिन्दी सिनेमा होगा।
- अष्टम सेमेस्टर हेतु माइनर प्रश्न पत्र हिन्दी नाटक और रंगमंच होगा।
- एक क्रेडिट हेतु अधिकतम पंद्रह घंटे (कक्षा) निर्धारित है।

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ

स्नातकोत्तर हिन्दी

पाठ्यक्रम संरचना

एम०ए प्रथम वर्ष / बी०ए० चतुर्थ वर्ष		***सप्तम सेमेस्टर***	*अंक विभाजन*	
			लिखित	*आन्तरिक मूल्यांकन*
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	**पत्र का प्रकार**	**क्रेडिट**		
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)	75	25
पंचम प्रश्न पत्र	प्रायोगिक	4 (चार)	50	50 *प्रायोगिक*
शोध	लघु शोध	4 (चार)	100	----
		कुल क्रेडिट योग 24	*कुल योग*	600

एम०ए प्रथम वर्ष / बी०ए० चतुर्थ वर्ष		***अष्टम सेमेस्टर***
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	**पत्र का प्रकार**	**क्रेडिट**
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)
द्वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)
पंचम प्रश्न पत्र	प्रायोगिक	4 (चार)
शोध	लघु शोध	4 (चार)

कुल क्रेडिट योग	***24 (चौबीस)***

माइनर प्रश्न पत्र	पत्र का प्रकार - लिखित / प्रायोगिक	क्रेडिट - 4 (चार)

नोट- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में छात्र / छात्रा को मेजर विषय से अलग अन्य संकाय का माइनर विषय चुनना होगा |

एम०ए प्रथम वर्ष / बी०ए० चतुर्थ वर्ष, सप्तम एवं अष्टम सेमेस्टर में निर्धारित

कुल क्रेडिट == 24+24+4 = 52 (बावन)

एम०ए द्‌वितीय वर्ष / एम०ए०	*नवम सेमेस्टर*	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	**पत्र का प्रकार**	**क्रेडिट**
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)
द्‌वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)
पंचम प्रश्न पत्र	प्रायोगिक	4 (चार)
शोध	लघु शोध	4 (चार)
	कुल क्रेडिट योग	*24 (चौबीस)*

एम०ए द्‌वितीय वर्ष / एम०ए०	*दशम सेमेस्टर*	
मेजर (हिन्दी) प्रश्न पत्र	**पत्र का प्रकार**	**क्रेडिट**
प्रथम प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)
द्‌वितीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)
तृतीय प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)
चतुर्थ प्रश्न पत्र	लिखित	4 (चार)
पंचम प्रश्न पत्र	प्रायोगिक	4 (चार)
शोध	लघु शोध	4 (चार)
	कुल क्रेडिट योग	*24 (चौबीस)*

एम०ए द्‌वितीय वर्ष / एम०ए०, नवम एवं दशम सेमेस्टर में निर्धारित

कुल क्रेडिट == 24+24 = 48 (अड़तालीस)

एम०ए प्रथम वर्ष / बी०ए० चतुर्थ वर्ष, सप्तम एवं अष्टम सेमेस्टर तथा एम०ए द्‌वितीय वर्ष / एम०ए०, नवम एवं दशम सेमेस्टर में निर्धारित

कुल क्रेडिट == 52+48 = 100

शोध संबंधित ***निर्देश***

- **छात्र / छात्रा को स्नातकोत्तर के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में मुख्य विषय से सम्बंधित बृहद शोध परियोजना करनी होगी | बृहद शोध परियोजना हेतु छात्र / छात्रा को विभाग द्वारा निर्देशक नियुक्त किया जाएगा इस निमित्त** आवश्यकतानुसार **अन्य विषय के सह निर्देशक भी आवंटित किया जा सकता है |**
- **इस बृहद शोध परियोजना को छात्र / छात्रा द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर (सप्तम, अष्टम, नवम एवं दशम) में चार क्रेडिट (चार घंटे प्रति सप्ताह) के अनुरूप आवंटित किया जाएगा | बृहद शोध परियोजना को चार खंड में आवंटित करके हर खंड के निर्धारित अध्यायों को चार सेमेस्टर में पूर्ण करना होगा |**
- **छात्र / छात्रा को स्नातकोत्तर के प्रथम वर्ष (दोनों सेमेस्टर में किये गए शोध कार्य का संयुक्त प्रबंध) में लिखा गया संयुक्त प्रबंध तथा द्वितीय वर्ष (दोनों सेमेस्टर में किये गए शोध कार्य का संयुक्त प्रबंध) में लिखा गया संयुक्त प्रबंध मूल्याङ्कन हेतु प्रत्येक वर्ष (इवेन सेमेस्टर) के अंत में जमा करना अनिवार्य होगा |**
- **छात्र / छात्रा द्वारा स्नातकोत्तर प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में जमा किये गए दोनों शोध प्रबंध का मूल्याङ्कन प्रत्येक वर्ष के अंत में निर्देशक एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित वाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में किया जाएगा |**
- **शोध हेतु कुल 8 क्रेडिट आवंटित हैं |**
- **शोध परियोजना के वार्षिक प्राप्तांकों (100) पर ग्रेड निर्धारित होगा तथा इन अंकों के आधार पर सी०जी०पी०ए० की गणना की जायेगी |**

प्रश्न पत्र का पूर्णांक

- **प्रत्येक प्रश्न पत्र का पूर्णांक 100 अंक प्रस्तावित है |** *75* **अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा** ***25* अंक** *आंतरिक मूल्यांकन (***रचनात्मक गतिविधियों** *)* **हेतु प्रस्तावित है |**
- *प्रत्येक सेमेस्टर का पांचवाँ प्रश्न पत्र अर्थात् पांचवाँ, दसवाँ, पन्दहवाँ एवं बीसवाँ प्रश्न पत्र 100—100 अंक का होगा। इन प्रश्न पत्रों में 50 अंक के लिखित एवं 50 अंक की प्रायोगिक परीक्षा सम्पन्न होगी। प्रायोगिक परीक्षा के 50 अंक का आवंटन 25 अंक (आन्तरिक मूल्यांकन) हेतु तथा 25 अंक (मौखिकी) हेतु निर्धारित है।*
- *मौखिकी के लिए पचास (50) अंक की प्रायोगिक परीक्षा हेतु एक आंतरिक एवं एक बाह्य परीक्षक नियुक्त होंगे।*

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

वर्ष	**सेमेस्टर**	कोर्स कोड	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित/ प्रायोगिक	क्रेडिट
बी०ए० चतुर्थ वर्ष	सप्तम	PG1HIN7SEM1P	प्रथम	हिन्दी भाषा और साहित्य का आरम्भ	**लिखित**	04
		PG1HIN7SEM2P	द्वितीय	आदिकाल : इतिहास और साहित्य	**लिखित**	04
		PG1HIN7SEM3P	तृतीय	हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन : परंपरा और दृष्टि	**लिखित**	04
Bachelor (Research) in Facilty		PG1HIN7SEM4P	चतुर्थ	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र	**लिखित**	04
		PG1HIN7SEM5P	पंचम	**हिन्दी सिनेमा**	**लिखित और प्रायोगिक**	04
बी०ए० चतुर्थ वर्ष	अष्टम	PG2HIN8SEM1P	प्रथम	पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) : इतिहास और साहित्य	**लिखित**	04
		PG2HIN8SEM2P	द्वितीय	उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) : इतिहास और साहित्य	**लिखित**	04
		PG2HIN8SEM3P	तृतीय	**भाषा विज्ञान और भाषा अध्ययन के नए क्षेत्र**	**लिखित**	04
Bachelor (Research) in Facilty		PG2HIN8SEM4P	चतुर्थ	**तुलनात्मक साहित्य, अवधी लोक साहित्य, अनुवाद विज्ञान और भोजपुरी लोक साहित्य में से किसी एक प्रश्न पत्र का अध्ययन अनिवार्य है**	**लिखित**	04
		PG2HIN8SEM5P	पंचम	**हिन्दी नाटक और रंगमंच**	**लिखित और प्रायोगिक**	04

नोट-

- बृहद शोध परियोजना के अंतर्गत सप्तम एवं अष्टम सेमेस्टर में संयुक्त रूप से लिखे गए लघु शोध को अष्टम सेमेस्टर में एकीकृत कर हर छात्र / छात्र को मूल्याङ्कन हेतु डिजर्टेशन प्रस्तुत करना अनिवार्य है, ताकि समय से परीक्षा फल घोषित हो सके | उक्त हेतु कुल 4 क्रेडिट एवं 100 अंक निर्धारित हैं |

एम०ए०	नवम	PG3HIN9SE M1P	प्रथम	आधुनिक काल (गद्य काल) : इतिहास और साहित्य (भारतेंदु एवं द्विवेदी युग)	लिखित	04
		PG3HIN9SE M2P	द्वितीय	आधुनिक काल : इतिहास और साहित्य (स्वछंदतावाद, छायावाद, उत्तर छायावाद, प्रयोगवाद, प्रगतिवाद, नयी कविता और नवगीत)	लिखित	04
Master in Facilty		PG3HIN9SE M3P	तृतीय	आधुनिक गद्य : प्रेमचंद एवं प्रेमचंदोत्तर युग (स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वातंत्रयोत्तर गद्य)	लिखित	04
		PG3HIN9SE M4P	चतुर्थ	**विधा अध्ययन (उपन्यास,कहानी, निबंध,संस्मरण, रिपोर्ताज, डायरी, यात्रावृत्त, आत्मकथा, रेखाचित्र और गद्यकाव्य में से किसी एक विधा का विशेष अध्ययन अनिवार्य है |)**	लिखित	04
		PG3HIN9SE M5P	पंचम	**हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम**	**लिखित और प्रायोगिक**	04
एम०ए०	दशम	PG4HIN10SE M1P	प्रथम	आधुनिक काल : इतिहास और साहित्य (अकविता, विभिन्न दशकों की कवितायेँ और उत्तर शती का काव्य)	लिखित	04
		PG4HIN10SE M2P	द्वितीय	हिन्दी आलोचना और आलोचक	लिखित	04
		PG4HIN10SE M3P	तृतीय	भारतीय साहित्य	लिखित	04
Master in Facilty		PG4HIN10SE M4P	चतुर्थ	**विमर्श आधारित विशेष अध्ययन (स्त्री ,दलित, आदिवासी , थर्ड जेंडर तथा डायस्पोरा में से किसी एक का विशेष अध्ययन अनिवार्य है |)**	लिखित	04
		PG4HIN10SE M5P	पंचम	**पठकथा और विज्ञापन लेखन**	**लिखित और प्रायोगिक**	04

नोट---

- बृहद शोध परियोजना के नवम एवं दशम सेमेस्टर में निर्देशक के निर्देशन में पूर्ण कर दशम सेमेस्टर की परीक्षा के पूर्ण होने के एक सप्ताह के अन्दर मूल्याङ्कन हेतु प्रस्तुत करें ताकि समय से परीक्षा फल घोषित हो सके |
- उक्त हेतु कुल 4 क्रेडिट एवं 100 अंक निर्धारित हैं |
- प्रत्येक प्रश्न पत्र का पूर्णांक 100 अंक प्रस्तावित है | 80 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 20 अंक रचनात्मक गतिविधियों हेतु प्रस्तावित है |

प्रथम प्रश्न पत्र

हिन्दी भाषा और साहित्य का आरम्भ

<table>
<tr><td><u>Bachelor) Risearch (
in Faculty</u></td><td><u>M.A. 1 Year</u></td><td><u>Semester VII</u></td></tr>
<tr><td colspan="3">Subject – Hindi</td></tr>
<tr><td colspan="3">Course Code -MAH-I-S-VII-P-I
Course Title -हिन्दी भाषा और साहित्य का आरंभ</td></tr>
<tr><td colspan="3">About paper (प्रश्नपत्र के बारे में) –
इस पत्र के माध्यम से हिन्दी भाषा और साहित्य के आरम्भ के विभिन्न स्रोतों,मान्यताओं, रचानात्मक परिदृश्य की समझ हासिल की जाएगी| साथ ही विभिन्न संज्ञाओं के जन्म की कहानी, उनके अर्थसंकोच और अर्थविस्तार के कारकों की भी पहचान की जाएगी| अपभ्रंश,अवहट्ट,मैथिली, दक्खिनी हिन्दी आदि के आरम्भिक सृजन संसार और भाषा निर्माण की प्रक्रियाओं का भी अध्ययन किया जाएगा| हिन्दी क्षेत्रों की विभिन्न भाषाओं/उपभाषाओं का अध्ययन भी इस पत्र में प्रस्तावित है|</td></tr>
<tr><td>Credits4 -</td><td>Max Marks :75 + 25100 =
इस प्रश्नपत्र में)75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं (|</td><td>Min .Passing Marks
30+(लिखित)10 आंतरिक मूल्यांकन</td></tr>
<tr><td colspan="3">Total No. of Lecture – Tutorials – Practical (in hours Per Weeks) 3-0-0 or 2-0-0 etc</td></tr>
</table>

+

Unit इकाई	Topic	No .Of lectures Time One Hour
I	हिन्दी भाषा–I हिन्दी शब्द का अर्थ, हिन्दी की अवधारणा, अपभ्रंश एवं आधुनिक भाषाएँ / उपभाषाएँ, हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान, हिन्दी क्षेत्र: पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, पहाडी, बिहारी, दक्खिनी हिन्दी: क्षेत्र और विकासक्रम, भाषा रूप: हिन्दी, हिन्दुई, हिन्दुस्तानी,	15

	उर्दू|	
II	हिन्दी भाषा–II हिन्दी भाषा का विकास: आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल, हिन्दी अस्मिता सम्बन्धी विभिन्न मत- भारतेंदु हरिश्चन्द्र, लक्षमण सिंह, राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद, द्विववेदी युग एवं हिन्दी भाषा का स्वरूप|	15
III	हिन्दी साहित्य का आरंभ–I फोर्ट विलियम कॉलेज और हिन्दी, हिन्दी भाषा के सन्दर्भ में विभिन्न विद्वानों/विचारकों की मान्यताएँ:गार्सा द तांसी, शिवसिंह सेंगर, मिश्रबन्धु, जॉर्ज ग्रियर्सन, चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, महावीर प्रसाद द्विवेदी, महात्मा गांधी, रामचन्द्र शुक्ल, प्रेमचन्द, हजारीप्रसाद द्विवेदी, राममनोहर लोहिया|	15
IV	हिन्दी साहित्य का आरंभ–II उत्तर अपभ्रंश, अवहट्ट एवं पुरानी हिन्दी सम्बन्धी स्थापनाएँ और हिन्दी साहित्य का आरम्भ, प्रथम कवि और प्रथम रचना, अपभ्रंश साहित्य का संक्षिप्त परिचय, अपभ्रंश का जैन साहित्य और रचनाओं का वर्गीकरण, नाथ सम्प्रदाय और साहित्य, लौकिक साहित्य एवं उनकी विशेषताएँ|	15

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।
3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–1,2) : पं0विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल प्रयाग।
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना।
7. हिन्दी साहित्य का उद्‌भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद।
9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्री कृष्णलाल, प्र0 हिन्दी परिषद प्रयाग।
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं0 डॉ0 नगेन्द्र।
11. हिन्दी गद्यशैली का विकास : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद वर्मा, ना0प्र0 सभा, वाराणसी।
12. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली।
13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

सीखने के सम्प्रत्यय (लर्निंग आउटकम)

विभिन्न पत्रों के माध्यम से अर्जित होने वाले साहित्य, सौन्दर्य दृष्टि के साथ ही रोजगारपरक संभावनाओं का निर्माण पाठ्यक्रम का लक्ष्य है। लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षाओं के माध्यम से यह अध्ययन किया जायेगा कि सीखने के सम्प्रत्ययों को कितना अर्जित किया गया है। पत्रवार लर्निंग आउटकम निम्न प्रकार हैं :

हिन्दी भाषा और साहित्य का आरंभ

भारतीय राष्ट्र–राज्य निर्माण की प्रक्रिया के सांस्कृतिक उद्देश्यों की समझ। भारतीय संस्कृति के गौरवशाली अध्यायों के लिए निर्मित होने वाली जनभाषा और सृजन भाषा के उत्स की समझ। परंपरा और संस्कृति के प्रति गौरव भाव और भविष्य दृष्टि की निर्मितियों का सृजन और विस्तार।

द्वितीय प्रश्नपत्र

आदिकाल : इतिहास और साहित्य

Bachelor) Risearch (in Faculty	M.A. 1 Year	Semester VII
Subject – Hindi		
Course Code -MAH-I-S-VII-P-II **Course Title –आदिकाल इतिहास एवं साहित्य**		
About paper (प्रश्नपत्र के बारे में) – **इस प्रश्न पत्र के माध्यम से आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, विभिन्न परिस्थितियाँ, भाषा रूपों का अध्ययन अपेक्षित है। साथ ही भविष्य के हिन्दी साहित्य और संस्कृति की पीठिका की समझ का निर्माण भी होगा। कतिपय चयनित अंशों के माध्यम से आदिकालीन रचना परिदृश्य को समझने का प्रयास होगा।**		
Credits4 -	**Max Marks :75 + 25100 =** **इस प्रश्नपत्र में)75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं (।**	**Min .Passing Marks** **30+(लिखित)10 आंतरिक मूल्यांकन**
Total No. of Lecture – Tutorials – Practical (in hours Per Weeks) 3-0-0 or 2-0-0 etc		

Unit इकाई	Topic	No .Of lectures Time One Hour
I	आदिकाल की पृष्टभूमि– I आदिकाल: नामकरण सम्बन्धी विचार एवं काल निर्धारण, परिवेश, राजनीतिक, धार्मिक , सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिस्थिति, आदिकालीन भाषा रूप		15
II	आदिकाल की पृष्टभूमि– II अपभ्रंश साहित्य: पृष्ठभूमि और प्रभाव, आदिकाल की उपलब्ध सामग्री. प्रमाणिकता, ग्रहण और त्याग का सन्दर्भ, सिद्ध साहित्य और जैन साहित्य		15
III	आदिकाल की पृष्टभूमि– III रासो साहित्य, पृथ्वीराज रासो- विभिन्न संस्करण, प्रामाणिकता-अप्रामाणिकता के लिए तर्क, काव्योत्कर्ष, लौकिक साहित्य, अमीर खुसरो, विद्यापति, लौकिक साहित्य और उसकी विशेषताएँ|	15
IV	चयनित अंश इस युनिट में निर्धारित पद्यांश की व्याख्या और काव्य सौन्दर्य का उद्घाटन अपेक्षित है- 1. सरहपा – हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान-नामवर सिंह में संकलित सरहपा के दस दोहे| 2. चन्दबरदाई- पृथ्वीराज रासउ – संयोगिता परिणय, माताप्रसाद गुप्त, साहित्य सदन, चिरगांव, झांसी| 3. विद्यापति–नागार्जुन सम्पादित विद्यापति के गीत, वाणी प्रकाशन, गीत संख्या3,4,5,6,9,14,17,20,25,37और 64 4. खुसरो की हिन्दी कविता : सम्पादक – ब्रजरत्न दास (मुकरी-156,160,162,168,175,184,185,188,197, 204-दस दोहे) गीत-95,112,113,116,125,126 कुल छ: गीत|	15

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा काशी।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय, महामना प्रकाशन मंदिर, प्रयाग।
3. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास : डॉ0 राजकिशोर त्रिपाठी, प्र0 अरूण प्रकाशन, कलकत्ता।
4. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग–1,2) : पं0विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्र0 वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ0 रामकुमार वर्मा, प्र0 रामनारायण लाल प्रयाग।
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी, प्र0 बिहार राष्ट्रभाषा परिषद पटना।
7. हिन्दी साहित्य का उद्भव काल : डॉ0 वासुदेव सिंह, प्र0 हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, प्र0 लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद।

9. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास : डॉ0 श्री कृष्णलाल, प्र0 हिन्दी परिषद प्रयाग।
10. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं0 डॉ0 नगेन्द्र।
11. हिन्दी गद्यशैली का विकास : डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद वर्मा, ना0प्र0 सभा, वाराणसी।
12. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली।
13. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. कीर्तिलता और अवहट्ट – शिवप्रसाद सिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
15. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान – नामवर सिंह, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
17. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
18. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान-नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
19. चन्दबरदाई- पृथ्वीराज रासउ – संयोगिता परिणय, माताप्रसाद गुप्त, साहित्य सदन, चिरगांव, झांसी|
20. विद्यापति–नागार्जुन सम्पादित विद्यापति के गीत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
21. खुसरो की हिन्दी कविता : सम्पादक – ब्रजरत्न दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

तृतीय प्रश्नपत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन परंपरा और दृष्टि

Bachelor) Risearch(in Faculty)	**M.A. 1 Year**	**Semester VII**
Subject – Hindi		
Course Code -MAH-I-S-VII-P-III **Course Title -हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन परंपरा और दृष्टि**		
About paper (प्रश्नपत्र के बारे में) – **हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन संबंधी विभिन्न दृष्टियाँ रही हैं। इस पत्र के माध्यम से इतिहास दर्शन साहित्य के इतिहास की परंपरा, काल विभाजन एवं प्रमुख सिद्धान्तों का विवेचन किया जायेगा। पत्र का उद्‌देश्य विभिन्न दृष्टियों की स्पष्ट समझ का निर्माण करना है।**		
Credits4 -	**Max Marks :75 + 25100 =** **इस प्रश्नपत्र में)75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित हैं (|**	**Min .Passing Marks** **30+(लिखित)10 आंतरिक मूल्यांकन**
Total No. of Lecture – Tutorials – Practical (in hours Per Weeks) 3-0-0 or 2-0-0 etc		

Unit **इकाई**	**Topic**	**No .Of lectures One Hour**
I	इतिहास लेखन परंपरा -। इतिहास : अर्थ एवं स्वरूप, इतिहास दर्शन, साहित्य का	15

	इतिहास दर्शन, साहित्येतिहास और साहित्यालोचन।	
II	इतिहास लेखन परंपरा -II हिन्दी साहित्येतिहास की परंपरा, हिन्दी साहित्येतिहास के आधार, काल विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्याएँ।	15
III	साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त–I विधेयवाद, मार्क्सवाद, संरचनावाद, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ।	15
IV	साहित्येतिहास दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त–II इतिहास और आलोचना, नव्य इतिहासवाद, साहित्येतिहास का नारीवादी, दलित, आदिवासी एवं एल0जी0बी0टी0 के संदर्भ।	15

<u>सीखने के सम्प्रत्यय (लर्निंग आउटकम)</u>

हिन्दी साहित्य का इतिहास : लेखक, परंपरा और दृष्टि

साहित्य को देखने–परखने और संग्रह करने की विभिन्न दृष्टिओं का अध्ययन। तथ्य और विश्वास, धारणों और निरंतरता की समझ विकसित करने वाली विभिन्न अध्ययन परंपराओं का अनुशीलन। विभिन्न साहित्येतिहास लेखकों का संकल्पनाओं, सृजनात्मकता और भविष्य दृष्टि की समझ।

चतुर्थ प्रश्नपत्र

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Bachelor) Research (in Faculty	M.A. 1 Year	Semester VII
Subject – Hindi		
Course Code -MAH-I-S-VII-P-IV Course Title -भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र		
About paper (प्रश्नपत्र के बारे में) –		
Credits4 -	Max Marks :75 + 25100 = इस प्रश्नपत्र में)75 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक आन्तरिक मूल्याङ्कन हेतु निर्धारित हैं (।	Min .Passing Marks 30+(लिखित) 10 (आंतरिक मूल्याङ्कन)
Total No. of Lecture – Tutorials – Practical (in hours Per Weeks) 3-0-0 or 2-0-0 etc		

Unit इकाई	Topic	No .Of lectures)Time-One Hour(
I	भारतीय काव्यशास्त्र - I • काव्य लक्षण • काव्य हेतु • काव्य प्रयोजन • काव्य के प्रकार रस सिद्धांत • रस सिद्धांत • रस का स्वरुप • रस निष्पत्ति • रस के अंग • साधारणीकरण • सहृदय की अवधारणा अलंकार सिद्धांत • मूल स्थापनाएं • अलंकारों का वर्गीकरण रीति सिद्धांत • रीति की अवधारणा • काव्य गुण • रीति एवं शैली • रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं	15

II	भारतीय काव्यशास्त्र - II वक्रोक्ति सिद्धांत • वक्रोक्ति की अवधारणा • वक्रोक्ति के भेद • वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ध्वनि सिद्धांत • ध्वनि का स्वरुप • ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं • ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद • गुणीभूत व्यंग्य • चित्र काव्य औचित्य सिद्धांत • प्रमुख स्थापनाएं • औचित्य के भेद	15
III	पाश्चात्य काव्यशास्त्र - III प्लेटो • काव्य सिद्धांत अरस्तू • अनुकरण सिद्धांत • त्रासदी • विरेचन लान्जाइनस • औदात्य की अवधारण ड्राइडन • काव्य सिद्धांत वर्ड्सवर्थ • काव्य भाषा का सिद्धांत कोलरिज • कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना	15
IV	पाश्चात्य काव्यशास्त्र – IV मौथ्यु ओर्नाल्ड • आलोचना का स्वरुप और प्रकार्य टी.एस.इलियट • परम्परा की परिकल्पना और वैक्तिक प्रज्ञा • निर्वैक्तिकता का सिद्धांत	15

	● वस्तुनिष्ठ समीकरण आई.ए.रिचर्ड्स ● रागात्मक अर्थ ● सम्बेगों का संतुलन ● सम्प्रेषण सिद्धांत ● व्यवहारिक आलोचना सिद्धांत और वाद ● स्वच्छन्दतावाद ● अभिव्यंजनावाद ● मार्क्सवाद ● मनोविशलेषणवाद ● अस्तित्त्ववाद ● उत्तरआधुनिकता अन्य बिंदु ● मिथक ● फंतासी ● कल्पना ● बिम्ब ● प्रतिक	

सीखने का सम्प्रत्यय :

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र :

भारतीय ज्ञान परंपरा में साहित्य की आत्मा जैसे—रस, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति एवं औचित्य पदों की पहचान एवं अध्ययन क्षेत्रों की विशेषताओं की समझ। पश्चिमी ज्ञान परंपरा जैसे—विरेचन, उदात्त तत्व, शास्त्रीयतावाद, नयी समीक्षा, उत्तर आधुनिकता, संरचनावाद आदि पदों की समझ और उपलब्धियों की समझ। साथ ही भारतीय और पाश्चात्य साहित्य परंपराओं पर एक दूसरे के प्रभावों की समझ।

अनुमोदित संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र कोश : डॉ0 राजवंश सहाय हीरा, बिहार ग्रंथ अकादमी, पटना।
2. समीक्षा दर्शन : डॉ0 रामलाल सिंह (प्रथम एवं द्वितीय भाग), प्र0 इण्डियन प्रेस, प्रयाग।
3. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त : राजवंश सहाय हीरा, चौखम्भा प्रेस, वाराणसी।
4. काव्यशास्त्र : डॉ0 भगीरथ मिश्र, प्र0 विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. रस—विमर्श : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी।
6. भारतीय काव्यशास्त्र की नयी व्याख्या : डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी।
7. कविता के प्रतिमान : डॉ0 रवीन्द्र भ्रमर।
8. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र, प्र0 नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
9. भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश—त्र्यम्बक देशपाण्डेय, पापुलर बुक डिपो, मुम्बई।

10. साहित्यालोचन : डॉ0 श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रेस, प्रयाग।
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : डॉ0 जगदीश प्रसाद मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. पाश्चात्य काव्यशास्त्र परम्परा : डॉ0 नगेन्द्र।
14. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा।

पंचम प्रश्नपत्र

हिन्दी सिनेमा

<table>
<tr><td><u>Bachelor) Risearch (in Faculty</u></td><td><u>M.A. 1 Year</u></td><td><u>Semester VII</u></td></tr>
<tr><td colspan="3">Subject – Hindi</td></tr>
<tr><td colspan="3">Course Code -MAH-I-S-VII-P-V   Course Title - हिन्दी सिनेमा</td></tr>
<tr><td colspan="3">About paper (प्रश्नपत्र के बारे में) –
इस प्रश्न पत्र के माध्यम से सिनेमा संसार और हिंदी सिनेमा का व्यापक परिचय प्राप्त हो सकेगा पत्र में हिंदी सिनेमा की | उक्त प्रश्न | सांस्कृतिक चिंतन प्रक्रिया और समाज दृष्टि का अध्ययन अपेक्षित है पत्र के अध्ययन से हिंदी सिनेमा में प्रयुक्त तकनिकी | लेखन आदि की सम्यक जानकारी प्राप्त हो सकेगी , रंग निर्देशन , अभिनय कौशल ,</td></tr>
<tr><td>Credits4 -</td><td>Max Marks5 :05 + 0100 =
इस प्रश्नपत्र में)50 अंक लिखित परीक्षा हेतु तथा 25 अंक प्रायोगिक एवं 25 अंक मौखिकी हेतु निर्धारित हैं (|</td><td>Min .Passing Marks
20+(लिखित) 10 (प्रायोगिक)+ 10 (मौखिकी)</td></tr>
<tr><td colspan="3">Total No. of Lecture – Tutorials – Practical (in hours Per Weeks) 3-0-0 or 2-0-0 etc</td></tr>
</table>

Unit इकाई	Topic	No .Of lectures)Time -One Hou(
I	हिन्दी सिनेमा -I • हिन्दी सिनेमा का आरम्भ • हिन्दी सिनेमा और दादा साहब फाल्के • हिन्दी मूक सिनेमा • हिन्दी सवाक सिनेमा • भारतीय सिनेमा का अति संक्षिप्त परिचय	10
II	हिन्दी सिनेमा -II • सन 1947 से के दौर का हिन्दी सिनेमा 1980(प्रमुख फिल्में –आवारा मेरा नाम , उसने कहा था , दो बीघा ज़मीन , (मदर इंडिया और शोले , जोकर • सन दौर का हिन्दी सिनेमा के 2000 से 1980(प्रमुख फिल्में -अंगूर चश्मे बद्दूर और , छत्तीस चौरंगी लेन , मिस्टर इंडिया , (एक डोक्टर की मौत • सन के बाद का हिन्दी सिनेमा 2000 (प्रमुख फिल्में - चक डे इंडिया मेरी , द लिजेंड ऑफ़ भगत सिह , स्लम डाग मिलेनियम , (काम और दंगल • हिन्दी सिनेमा विषय वैविद्ध्य : ,राजनितिक)सांस्कृतिकऐतिहासिक एवं समसामयिक , (पहलू	17
III	हिन्दी सिनेमा -III • हिन्दी सिनेमा) प्रमुख व्यक्तित्त्व :राजकपूर , श्याम बेनेगल , ह्षिकेश मुखर्जी मीना , ओमपुरी , दिलीप कुमार , सहगल.एल.के , कुमारी (वहीदा रहमान और स्मिता पाटिल , • समानांतर सिनेमा • प्रतिबंधित सिनेमा • हिन्दी सिनेमा हिन्दी भाषा का बदलता स्वरुप : • सिनेमाई भाषा का स्वरुप • सेंशरशिप • हिन्दी सिनेमा : प्रतिरोध और विमर्श	18

	• स्त्री प्रतिरोध)प्रमुख फ़िल्में -मंडी छपाक , लज्जा , और मेरी कॉम(• दलित प्रश्न)प्रमुख फ़िल्में - अछूत कन्या और सदगति(• आदिवासी जीवन) प्रमुख फ़िल्में -मृगया और माझी : (द माउन्टेन मैन • बाल सिनेमा) प्रमुख फ़िल्में -मासूम मकड़ी और तारे , (ज़मी पर • भूमंडलीकरण के दौर में हिन्दी सिनेमासंक्षिप्त) (परिचय • e-@ge : डिजिटल सिनेमा का नया संस्करणसंक्षिप्त) (परिचय	
IV	चतुर्थ इकाई में सिनेमा अथवा हिन्दी सिनेमा से सम्बंधित प्रायोगिक कार्य निर्धारित हैं - • किन्ही दो साहित्य आधारित फिल्मों का अध्ययन निर्धारित सिनेमा काबुलीवाला ,उमराव जान , रजनीगंधा , गाइड , तीसरी कसम , थ्री इडियट , निशांत नौकर की कमीज ,चरणदास चोर , • फिल्म समीक्षा • फिल्म निर्माण और मूल्याङ्कन उपलब्ध संसाधन से) (पांच मिनट की फिल्म का निर्माण • समसामयिक फिल्म फीचर आदि पर / डाक्युमेंटरी / समूह चर्चा एवं रिपोर्ट लेखन • शोध पत्र समीक्षा का प्रस्तुतीकरण / लेख/ • मौखिकी	15

सीखने के सम्प्रत्यय (लर्निग आउटकम) :

सिनेमा संसार में हिन्दी सिनेमा की व्यापक और सामूहिक सांस्कृतिक चिंतन प्रभाव प्रक्रिया का अध्ययन। तकनीक, अभिनय, रंग–निर्देशन, विभिन्न भाषाओं के सिनेमा परिदृश्य के साथ ही हॉलीवुड सिनेमा से हिन्दी सिनेमा का निरंतर संवाद। भाषा और साहित्य के माध्यम से सिनेमा में भारतीय संस्कृति एवं रोजगार की संभावनाओं का अध्ययन।

प्रमुख पुस्तकें

1. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ - जवरीमल्ल पारख दिल्ली , अनामिका प्रकाशन ,
2. हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र - जवरीमल्ल पारख दिल्ली , ग्रन्थ शिल्पी ,
3. विश्व सिनेमा की - सर्वश्रेष्ठ फ़िल्में 100 राकेश मित्तल दिल्ली , अनन्य प्रकाशन ,
4. डायरेक्टर्स कट - जावेद हमीद दिल्ली ,अतुल्य पब्लिकेशंस ,
5. जीवन को गढ़ती फिल्में - प्रयाग शुक्ल दिल्ली , अनन्य प्रकाशन ,
6. हिन्दी सिनेमा की यात्रा - पंकज शर्मा दि , अनन्य प्रकाशन ,ल्ली
7. प्रतिरोध और सिनेमा - महेंद्र प्रजापति दिल्ली , नयी किताब प्रकाशन ,
8. ज़िन्दगी – गुरुदत्त ,
9. दो गुल्फामों की तीसरी कसम – अनंत पटना, कुर्थौल , कीकट प्रकाशन ,
10. बिछडे सभी बारी – बारी - विमल मित्र दिल्ली , वाणी प्रकाशन ,
11. भारतीय सिनेमा का अन्तःकरण – विनोद दास दिल्ली , राजकमल प्रकाशन ,

प्रो0 निरंजन सहाय
अध्यक्ष